==========

AVYAKT MURLI

02 / 02 / 70

==========

02-02-70 ओम शान्ति अव्यक्त बापदादा मधुबन

“आत्मिक पॉवर की परख”

आज बापदादा हरेक का प्रोजेक्टर शो देख रहे हैं। आप लोग भी प्रोजेक्टर रखते हो? प्रोजेक्टर कौन सा है, जिस द्वारा चित्र देखते हो? हरेक के नयन प्रोजेक्टर है। इस प्रोजेक्टर द्वारा कौनसा चित्र दुनिया को दिखला सकते हो? वह है साइंस की शक्ति का प्रोजेक्टर और यह है ईश्वरीय शक्ति का प्रोजेक्टर। जितना-जितना प्रोजेक्टर पावरफुल होता है उतना ही दृश्य क्लियर देखने में आता है। वैसे ही तुम सभी बच्चों के यह दिव्य नेत्र जितना-जितना क्लियर अर्थात् रुहानियत से सम्पूर्ण होंगे उतना ही तुम बच्चों के नयनों द्वारा कई चित्र देख सकते हैं। और ऐसे ही स्पष्ट दिखलाई देंगे जैसे प्रोजेक्टर द्वारा स्पष्ट दिखाई देते हैं। तो इन नयनों द्वारा बापदादा और पूरी रचना के स्थूल, सूक्ष्म, मूल तीनों लोकों के चित्र दिखाई दे सकते हैं। कोई भी आपके सामने आये तो सर्व साक्षात्कार तुम्हारे नयनों द्वारा कर सकते हैं। जितनी-जितनी लाइट तेज़ होगी उतना

चित्र क्लियर। बल्ब पावरफुल कितना है, वह फिर बापदादा कैसे देखते हैं, मालूम है? अपना बल्ब देखा है कि कितने पॉवर का है? हरेक ने अपने बल्ब की पॉवर देखी है? जो समझते हैं हम अपनी लाइट की परसेंटेज को जानते हैं कि हमारा बल्ब किस प्रकार का है। वह हाथ उठाएं। हमारी आत्मा कितनी पावरफुल है इसकी परख किस आधार पर कर सकते हो?(चार्ट से) वह भी टोटल बात हो गयी, कौन सी बात से अपनी परख कर सकते हो? लाइट में विशेषता क्या होती है? उनमें विशेष गुण यह होता है जो चीज़ जैसी है वैसे ही स्पष्ट देखने में आती है। अन्धियारें में जो जैसी वस्तु है वैसे देखने में नहीं आती है। तो लाइट का विशेष गुण है अस्पष्ट को स्पष्ट करना। इस रीति से अपनी लाइट की परसेंटेज परखने का तरीका यही है। एक तो अपने पुरुषार्थ का मार्ग स्पष्ट होगा अर्थात् लाइन क्लियर देखने में आएगी। दूसरी बात अपना भविष्य स्टेट्स भी देखने में आएगा। तीसरी बात उन्हों की सर्विस करते हो तो जितनी खुद की रौशनी पावरफुल होगी, उन्हों को भी इतना ही सहज और स्पष्ट मार्ग दिखा सकेंगे। वह भी सहज ही अपने पुरुषार्थ में चल पड़ेगा। अपनी मजिंल सहज देखने में आएगी।

जितना लाइट की परसेंटेज ज्यादा होगी। उतना ही सभी बातों में स्पष्ट देखने में आएगा। अगर लाइट की परसेंटेज कम है तो खुद भी पुरुषार्थ में स्पष्ट नहीं होगा और जिसको मार्ग बताते हैं वह भी सहज और स्पष्ट अपने मार्ग और मंजिल को जान नहीं सकेंगे। जिसकी लाइट पावरफुल

होगी वह न खुद उलझते न दूसरे को उलझाते हैं। तो अपने पुरुषार्थ अपनी सर्विस से देख सकते हो कि जिन्हों की सर्विस करते हो उन्हों का मार्ग स्पष्ट होता है। अगर मार्ग स्पष्ट नहीं होता है तो अपनी लाइट की परसेंटेज की कमी है। कई खुद कभी कदम-कदम पर ठोकर खाते हैं और उनकी रचना भी ऐसी होती है। अभी आप एक-एक मास्टर रचयिता हो तो मास्टर रचयिता अपनी रचना से भी अपनी पॉवर को परख सकते हैं। जैसा बीज होता है वैसा ही फल निकलता है। अगर बीज पावरफुल नहीं होता है तो कहाँ-कहाँ फूल निकलेंगे, फल निकलेंगे लेकिन स्वीकार करने योग्य नहीं होते हैं। जो बहुत सुन्दर व खुशबुदार होंगे, जो फल अच्छा होगा उनको ही खरीद करेंगे ना। अगर बीज ही पावरफुल नहीं होता है तो रचना भी जो पैदा होती है वह स्वीकार करने योग्य नहीं होती। इसलिए अपनी लाइट की परसेंटेज को बढ़ाओ। दिन प्रति दिन सभी के मस्तक और नयन ऐसे ही सर्विस करें जैसे आप का प्रोजेक्टर शो सर्विस करता है। कोई भी सामने आयेंगे वह चित्र आपके नयनों में देखेंगे, नयन देखते ही बुद्धियोग द्वारा अनेक साक्षात्कार होंगे। ऐसे साक्षात्कार मूर्त अपने को बनाना है। लेकिन साक्षात्कार मूर्त वह बन सकेंगे जो सदैव साक्षी की स्थिति में स्थित होंगे। उनके नयन प्रोजेक्टर का काम करेंगे। उनका मस्तक सदैव चमकता हुआ दिखाई पड़ेगा। होली के बाद सांग बनाते हैं ना। देवताओं को सजाकर मस्तक में बल्ब जलाते हैं। यह सांग क्यों बनाते हैं? यह किस समय का प्रैक्टिकल रूप है? इस समय का। जो फिर आपके यादगार बनाते आते हैं।

तो एक-एक के मस्तक में लाइट देखने में आये। विनाश के समय भी यह लाइट रूप आपको बहुत मदद देगी। कोई किस भी वृत्ति वाला आपके सामने आयेंगे। वह इस देह को न देख आपके चमकते हुए इस बल्ब को देखेंगे। जो बहुत तेज़ लाइट होती है और उसको जब देखने लगते हैं तो दूसरी सारी चीज़ छिप जाती है। वैसे ही जितनी-जितनी आप सभी की लाइट तेज़ होगी उतना ही उन्हों को आपकी देह देखते हुए भी नहीं देखने आएगी। जब देह को देखेंगे ही नहीं तो तमोगुणी दृष्टि और वृत्ति स्वतः ही ख़त्म हो जाएगी। यह परीक्षाएं आनी हैं। सभी प्रकार की परिस्थितियाँ पास करनी है।

यह जो ग्रुप है इन्हों का हंसी में एक नाम रखा है। आज वतन में चिट-चैट चल रही थी इसी बात पर। कोई ने हंसी में कहा था बड़ी बहनें हमारी हेड्स हैं तो फिर हम लेग(टाँगे) हैं। तो बापदादा ने फिर नाम रखा है इन्होंने के बड़े तो हैं हेड्स। लेकिन यह हैंडल हैं। मोटर में हैंडल बिगर काम चल न सके। हैंडल द्वारा ही मोटर को मोड़ सकते हैं। तो हेड्स भी इन हैंडल बिना सर्विस को हैंडल नहीं कर सकते हैं। यह जो ग्रुप है यह है हैंडल्स। इनके बिन हेड्स कुछ भी कर नहीं सकते। जो भी आते हैं उनको पहले पहले हैंडल करने वाले यह हैंडल हैं ना। तो आप लोगों के ऊपर इतनी जिम्मेवारी है। अगर आप हैंडल ठीक नहीं, तो सर्विस की हैंडलिंग भी ठीक नहीं होगी। लेकिन यह सिर्फ देखना हैंडल तो है लेकिन हेड्स को कभी हैंडल नहीं करना। हेड को हैण्ड बन कर रहना। बापदादा के भी राईट

हैण्ड हैं ना, लेफ्ट हैण्ड भी हैं। राईट हैण्ड को फुल पॉवर होती है, लेकिन होता हैण्ड है। हेड नहीं होता। हैंडल तो हैं ना। लेकिन कैसे हैंडल करना है और कैसे बापदादा के राईट हैण्ड बनें, इसके लिए यहाँ आये हो। यह ग्रुप ऐसा है जो एक-एक कमाल कर सकते हैं। सर्विस को सफलता के रूप में ला सकते हैं। सर्विस में सफलता लाने के लिए दो बातें ध्यान में रखनी है। सर्व बातों में सहयोगी तो हो लेकिन सर्विस में सफलता लाने के निमित्त विशेष यह ग्रुप है। इसके लिए दो बातें विशेष ध्यान में रखना है एक है निशाना पूरा और दूसरा नशा भी पूरा होना। नशा और निशाना यह दो बातें इस ग्रुप में विशेष आनी चाहिए। जब निशाना ठीक होता है तो एक धक से किसको मरजीवा बना सकते हो। जो निशाने बाज़ होते हैं वह एक ही गोली से ठीक निशाना करते हैं। जिनको निशाना नहीं आता, उनको ३-४ बारी गोली चलानी पड़ती है। अगर अपनी स्थिति का भी निशाना और दूसरे की सर्विस करने का भी निशाना ठीक होगा और साथ-साथ नशा भी सदैव एकरस रहता होगा तो सर्विस में सफलता ज्यादा पा सकते हो। कभी नशा उतर जाता, कभी निशाना छुट जाता, यह दोनों बातें ठीक होनी चाहिए। जिसमें जितना खुद नशा होगा उतना ही निशाना ठीक कर सकेंगे। सर्विसएबल तो हो लेकिन सर्विस में अब क्या विशेषता लानी है?
सर्विसएबल उनको कहा जाता है जिनका एक सेकंड और एक संकल्प भी बिना सर्विस के ना जाये, हर सेकंड सर्विस के प्रति हो। चाहे अपनी सर्विस चाहे दूसरों की सर्विस। लेकिन जब हो ही सर्विसएबल, तो समय और

संकल्प सर्विस के बिगर नहीं जाना चाहिए। फरमानबरदार का अर्थ ही है फ़रमान पर चलना। मुख्य फ़रमान है निरंतर याद में रहो। अगर इस फ़रमान पर नहीं चलते तो क्या कहेंगे? जितना-जितना इस फ़रमान को प्रैक्टिकल में लायेंगे उतना ही प्रत्यक्ष फल मिलेगा। पुरुषार्थ में चलते हुए कौन सा विघ्न देखने में आता है, जो सम्पूर्ण होने में रूकावट डालता है? विशेष विघ्न व्यर्थ संकल्पों के रूप में देखा गया है। तो इससे बचने के लिए क्या करना है? एक तो कभी अन्दर की वा बहार की रेस्ट न लो। अगर रेस्ट में नहीं होंगे तो वेस्ट नहीं जायेगा। और दूसरी बात अपने को सदैव गेस्ट समझो। अगर गेस्ट समझेंगे तो रेस्ट नहीं करेंगे तो वेस्ट नहीं जायेगा। चाहे संकल्प, चाहे समय, यह है सहज तरीका। अच्छा सब फिर समाप्ति के दिन सभी के मस्तक के बल्ब कितने पॉवर के हैं वह देखेंगे। और पावरफुल होंगे तो माया उस पॉवर के आगे आने का साहस नहीं रखेगी। जितना बल्ब की पॉवर होती है उतना सामना कोई नहीं कर सकता। ऐसी पावरफुल स्थिति देखेंगे। सर्विसएबल हो, अब पावरफुल बनो। एक्टिव हो, लेकिन एक्यूरेट बनो। तो इस ग्रुप को विशेष छाप कौन सा लग्न है? एक्यूरेट। कोई भी बात में सदैव एक्यूरेट। चाहे मनसा, चाहे वाचा, चाहे कर्मणा – तीनों में एक्यूरेट। अच्छा !!!

==========

QUIZ QUESTIONS

==========

प्रश्न 1 :- अपनी रचना से अपनी पॉवर को कैसे परख सकते हैं ?

प्रश्न 2 :- अपने आप को किस तरह के साक्षात्कार मूर्त बनाना है और वह हम कैसे बन सकते है ?

प्रश्न 3 :- विनाश के समय भी यह लाइट रूप हमे किस तरह मदद देगीं ?

प्रश्न 4 :- सर्विसएबल को सर्विस में अब क्या विशेषता लानी है ?

प्रश्न 5 :- पुरुषार्थ में कौन सा विघ्न आता है, जो सम्पूर्ण होने में रूकावट डालता है? तो इससे बचने के लिए क्या करना है ?

FILL IN THE BLANKS:-

(हैंडल, स्थिति, नशा, रेस्ट, याद, हैंडलिंग, मरजीवा, सर्विस, एकरस, गेस्ट, हेड्स, फ़रमान, निशाना, वेस्ट, निरंतर)

1 अगर आप _____ ठीक नहीं, तो सर्विस की _____ भी ठीक नहीं होगी। लेकिन यह सिर्फ देखना हैंडल तो है लेकिन _____ को कभी हैंडल नहीं करना।

2 _____ और _____ यह दो बातें इस ग्रुप में विशेष आनी चाहिए। जब निशाना ठीक होता है तो एक धक से किसको _____ बना सकते हो।

3 अगर अपनी _____ का भी निशाना और दूसरे की _____ करने का भी निशाना ठीक होगा और साथ-साथ नशा भी सदैव _____ रहता होगा तो सर्विस में सफलता ज्यादा पा सकते हो।

4 फरमानबरदार का अर्थ ही है _____ पर चलना। मुख्य फ़रमान है _____ _____ में रहो। अगर इस फ़रमान पर नहीं चलते तो क्या कहेंगे?

5 एक तो कभी अन्दर की वा बहार की _____ न लो। अगर रेस्ट में नहीं होंगे तो _____ नहीं जायेगा। और दूसरी बात अपने को सदैव _____ समझो।

सही गलत वाक्यो को चिन्हित करे:- 【✓】 【✕】

1 :- कोई भी आपके सामने आये तो सर्व साक्षात्कार तुम्हारे मुख द्वारा कर सकते हैं।

2 :- राईट हैण्ड को फुल पॉवर होती है, लेकिन होता हैण्ड है। हेड नहीं होता।

3 :- जिसमें जितना खुद नशा होगा उतना ही निशाना ठीक नहीं कर सकेंगे।

4 :- विशेष विघ्न व्यर्थ संकल्पों के रूप में देखा गया है।

5 :- सर्विसएबल हो, अब पावरलेस बनो। इनएक्टिव हो, लेकिन एक्यूरेट बनो।

==========

QUIZ ANSWERS

==========

प्रश्न 1 :- अपनी रचना से अपनी पॉवर को कैसे परख सकते हैं ?

उत्तर 1 :- अपनी रचना से अपनी पॉवर को इस तरह परख सकते हैं...

..❶ कई खुद कभी कदम-कदम पर ठोकर खाते हैं और उनकी रचना भी ऐसी होती है। अभी आप एक-एक मास्टर रचयिता हो तो मास्टर रचयिता अपनी रचना से भी अपनी पॉवर को परख सकते हैं।

..❷ जैसा बीज होता है वैसा ही फल निकलता है। अगर बीज पावरफुल नहीं होता है तो कहाँ-कहाँ फूल निकलेंगे, फल निकलेंगे लेकिन स्वीकार करने योग्य नहीं होते हैं। जो बहुत सुन्दर व खुशबुदार होंगे, जो फल अच्छा होगा उनको ही खरीद करेंगे ना।

..❸ अगर बीज ही पावरफुल नहीं होता है तो रचना भी जो पैदा होती है वह स्वीकार करने योग्य नहीं होती। इसलिए अपनी लाइट की परसेंटेज को बढ़ाओ।

प्रश्न 2 :- अपने आप को किस तरह के साक्षात्कार मूर्त बनाना है और वह हम कैसे बन सकते है ?

उत्तर 2 :- अपने आप को इस तरह साक्षात्कार मूर्त बनाना है...

..❶ दिन प्रति दिन सभी के मस्तक और नयन ऐसे ही सर्विस करें जैसे आप का प्रोजेक्टर शो सर्विस करता है। कोई भी सामने आयेंगे वह

चित्र आपके नयनों में देखेंगे, नयन देखते ही बुद्धियोग द्वारा अनेक साक्षात्कार होंगे। ऐसे साक्षात्कार मूर्त अपने को बनाना है।

..❷ लेकिन साक्षात्कार मूर्त वह बन सकेंगे जो सदैव साक्षी की स्थिति में स्थित होंगे। उनके नयन प्रोजेक्टर का काम करेंगे। उनका मस्तक सदैव चमकता हुआ दिखाई पड़ेगा।

प्रश्न 3 :- विनाश के समय भी यह लाइट रूप हमे किस तरह मदद देगीं ?

उत्तर 3 :- विनाश के समय भी यह लाइट रूप हमे बहुत मदद देगी...

..❶ कोई किस भी वृत्ति वाला आपके सामने आयेंगे। वह इस देह को न देख आपके चमकते हुए इस बल्ब को देखेंगे।

..❷ जो बहुत तेज़ लाइट होती है और उसको जब देखने लगते हैं तो दूसरी सारी चीज़ छिप जाती है। वैसे ही जितनी-जितनी आप सभी की लाइट तेज़ होगी उतना ही उन्हों को आपकी देह देखते हुए भी नहीं देखने आएगी।

..❸ जब देह को देखेंगे ही नहीं तो तमोगुणी दृष्टि और वृत्ति स्वतः ही ख़त्म हो जाएगी। यह परीक्षाएं आनी हैं। सभी प्रकार की परिस्थितियाँ पास करनी है।

प्रश्न 4 :- सर्विसएबल को सर्विस में अब क्या विशेषता लानी है ?

उत्तर 4 :- सर्विसएबल उनको कहा जाता है जिनका एक सेकंड और एक संकल्प भी बिना सर्विस के ना जाये, हर सेकंड सर्विस के प्रति हो। चाहे अपनी सर्विस चाहे दूसरों की सर्विस। लेकिन जब हो ही सर्विसएबल, तो समय और संकल्प सर्विस के बिगर नहीं जाना चाहिए।

प्रश्न 5 :- पुरुषार्थ में कौन सा विघ्न आता है, जो सम्पूर्ण होने में रूकावट डालता है? तो इससे बचने के लिए क्या करना है ?

उत्तर 5 :- पुरुषार्थ में विशेष विघ्न व्यर्थ संकल्पों के रूप में देखा गया है। इससे बचने के लिए एक तो कभी अन्दर की वा बहार की रेस्ट न लो। अगर रेस्ट में नहीं होंगे तो वेस्ट नहीं जायेगा। और दूसरी बात अपने को सदैव गेस्ट समझो। अगर गेस्ट समझेंगे तो रेस्ट नहीं करेंगे तो वेस्ट नहीं जायेगा। चाहे संकल्प, चाहे समय, यह है सहज तरीका।

FILL IN THE BLANKS:-

(हैंडल, स्थिति, नशा, रेस्ट, याद, हैंडलिंग, मरजीवा, सर्विस, एकरस, गेस्ट, हेड्स, फ़रमान, निशाना, वेस्ट, निरंतर)

1 अगर आप _____ ठीक नहीं, तो सर्विस की _____ भी ठीक नहीं होगी। लेकिन यह सिर्फ देखना हैंडल तो है लेकिन _____ को कभी हैंडल नहीं करना।

हैंडल / हैंडलिंग / हेड्स

2 _____ और _____ यह दो बातें इस ग्रुप में विशेष आनी चाहिए। जब निशाना ठीक होता है तो एक धक से किसको _____ बना सकते हो।

नशा / निशाना / मरजीवा

3 अगर अपनी _____ का भी निशाना और दूसरे की _____ करने का भी निशाना ठीक होगा और साथ-साथ नशा भी सदैव _____ रहता होगा तो सर्विस में सफलता ज्यादा पा सकते हो।

स्थिति / सर्विस / एकरस

4 फरमानबरदार का अर्थ ही है _____ पर चलना। मुख्य फ़रमान है _____ _____ में रहो। अगर इस फ़रमान पर नहीं चलते तो क्या कहेंगे?

फ़रमान / निरंतर / याद

5 एक तो कभी अन्दर की वा बहार की _____ न लो। अगर रेस्ट में नहीं होंगे तो _____ नहीं जायेगा। और दूसरी बात अपने को सदैव _____ समझो।

रेस्ट / वेस्ट / गेस्ट

सही गलत वाक्यो को चिन्हित करे:- 【✓】 【✕】

1 :- कोई भी आपके सामने आये तो सर्व साक्षात्कार तुम्हारे मुख द्वारा कर सकते हैं। 【✖】

कोई भी आपके सामने आये तो सर्व साक्षात्कार तुम्हारे नयनों द्वारा कर सकते हैं।

2 :- राईट हैण्ड को फुल पॉवर होती है, लेकिन होता हैण्ड है। हेड नहीं होता। 【✔】

3 :- जिसमें जितना खुद नशा होगा उतना ही निशाना ठीक नहीं कर सकेंगे। 【✖】

जिसमें जितना खुद नशा होगा उतना ही निशाना ठीक कर सकेंगे।

4 :- विशेष विघ्न व्यर्थ संकल्पों के रूप में देखा गया है। 【✔】

5 :- सर्विसएबल हो, अब पावरलेस बनो। इनएक्टिव हो, लेकिन एक्यूरेट बनो। 【✖】

सर्विसएबल हो, अब पावरफुल बनो। एक्टिव हो, लेकिन एक्यूरेट बनो।